अपराध | परिजनों और सैकड़ों ग्रामीणों ने शनिवार को सड़क पर उतरकर चकाजाम कर दिया

गाडरवारा में नाबालिग से दरिंदगी पर फूटा जनआक्रोश

नवभारत/ नरसिंहपुर/ गाडरवारा। कौड़िया गांव में 14 वर्षीय नाबालिग के साथ हुई दुष्कर्म की हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। घटना के विरोध में परिजनों और सैकड़ों ग्रामीणों ने शनिवार को सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया, जिससे कई घंटों तक आवागमन बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि आरोपी को फांसी की सजा दी जाए और उसके अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त किया जाए।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी ने नाबालिग को डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता द्वारा परिजनों को घटना बताने के बाद गांव में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि प्रकरण में कड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। सड़क पर उतरे ग्रामीण, किया चक्का जाम घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। अधिकारियों ने परिजनों को आश्वस्त किया कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ाई जाएगी। अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग आरोपी के घर को तोड़ने की थी। प्रशासन ने राजस्व विभाग से जांच कराई, जिसमें मकान का एक हिस्सा अवैध पाया गया।

अधिकारी का कथन

शाम होते-होते प्रशासनिक अमला बुलडोजर के साथ पहुंचा और अवैध हिस्से को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। अपराध अक्षम्य है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध निर्माण पर भी नियमानुसार कार्रवाई की गई है। गांव में तनावपूर्ण शांति फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। यह घटना एक बार फिर समाज को झकझोरने वाली है, जहां मासूमों की सुरक्षा और त्वरित न्याय की मांग तेज होती जा रही है।

शिकायतों के बाद सजग हुआ प्रशासन, कालोनाइजर को दी हिदायत

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। नगर के डोला मार्ग स्थित खेतों में अवैध रूप से प्लॉट काटकर बसाई गई कॉलोनी में मूलभूत सुविधाओं को ताक पर रखकर कॉलोनीराइजर द्वारा सड़क नाली पानी निकासी गार्डन और पार्किंग जैसी सुविधाओं का आश्वसन देकर प्लॉट बेच दिए गए लेकिन वर्षों बाद भी कॉलोनी में कोई व्यवस्थाएं विकसित नहीं की गईं जिसे लेकर परेशान कॉलोनीवासियों की शिकायत पर प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर कॉलोनीराइजर को हिदायते देते हुए शीघ्र ही उचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए निर्देशित किया है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार डोला मार्ग पर स्थित कृषि भूमि को कॉलोनीराइजर द्वारा छोटे छोटे प्लॉट में विभाजित कर बेच दिया गया है ।प्लॉट खरीदने वाले नागरिकों को यह भरोसा दिलाया गया था कि यहां व्यवस्थित कॉलोनी विकसित की जाएगी जिसमें पक्की सड़कें नाली व्यवस्था पेयजल सुविधा पार्किंग स्थल और गार्डन उपलब्ध होंगे। इन आश्वासनों के आधार पर अनेकों लोग अपने मकान बनाकर रहने लगे। कॉलोनी बसने के बाद भी विकास कार्य नहीं होने से यहां रहने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी में न तो पक्की सड़कें बनाई गई हैं और न ही जल निकासी की कोई व्यवस्था की गई है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी खाली प्लॉटों में भरता रहता है। जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। जल निकासी सफाई का अभाव कॉलोनीवासियों का कहना है कि नालियों के अभाव में घरों का गंदा पानी खुले में बहता है और स्वच्छता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कचरे के ढेर और गंदगी आम दृश्य बन गए हैं। जिनमें मच्छर-मक्खियां पनपती रहती हैं।

पार्किंग गार्डन की सुविधा नहीं

कॉलोनीराइजर ने प्लॉट बेचते समय पार्किंग और गार्डन की सुविधा देने का दावा किया था लेकिन वर्तमान में कॉलोनी में न तो कोई पार्किंग स्थल विकसित किया गया है और न ही बच्चों और बुजुगों के लिए कोई गार्डन या खुला मैदान उपलब्ध है। परिणामस्वरूप वाहन सड़क किनारे खड़े किए जाते हैं। जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

अनुविभागीय अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम पूजा सोनी स्वयं कॉलोनी में निरीक्षण के लिए पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कॉलोनी की बदहाल स्थिति देखी और कॉलोनाइजर को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कॉलोनी में रह रहे लोगों के आवश्यक मूलभूत सुविधाएं तत्काल विकसित की जाएं और जल निकासी सड़क निर्माण तथा स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिससे यहां लोगों का जीवन सहज और सरल तरीके से हो सके। उन्हें परेशानियां न हों। परेशानी भोग रहे कॉलोनीवासियों में आक्रोश कॉलोनी के निवासियों में इस पूरे मामले को लेकर आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि उन्होंने वैध कॉलोनी समझकर प्लॉट खरीदे थे। लेकिन अब उन्हें बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर और कस्बों में बिना अनुमति के कॉलोनियां बसाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। कृषि भूमि को आवासीय उपयोग में बदलकर प्लॉट बेचे जा रहे है। जिससे न केवल शहरी क्षेत्र विस्तार प्रभावित हो रहा है। बल्कि ऐसी कॉलोनियों में प्लॉट खरीदकर मकान बनाने वाले नागरिकों को भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है। कॉलोनी को नियमित कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और दोषी कॉलोनीराइजर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

शिकायतों पर प्रशासन हरकत में

लगातार समस्याओं से परेशान कॉलोनीवासियों ने नगर परिषद और एसडीएम कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कॉलोनीराइजर पर झूठे वादों के आधार पर प्लॉट बेचने और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया गया।

नौरादेही अभयारण्य विस्थापन प्रकरणों पर ग्राम मलकुही व ढाना में चौपाल आयोजित

नवभारत/ नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने नौरादेही अभयारण अंतर्गत प्रस्तावित विस्थापन के संबंध में विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम मलकुही एवं ढाना में चौपाल लगाकर दावा-आपत्तियों की सुनवाई की। ग्राम मलकुही में आयोजित चौपाल के दौरान 12 प्रकरणों को मौके पर ही पात्र घोषित किया गया, जबकि 7 प्रकरण अपात्र पाए गए। शेष प्रकरणों की जांच की कार्यवाही प्रचलित है। इसी प्रकार ग्राम ढाना में आयोजित चौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीणों से विस्थापन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पात्र परिवारों से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का आग्रह करते हुए कहा कि दस्तावेजों के आधार पर प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

सिविल अस्पताल के उन्नयन की मांग को लेकर उपमुख्यमंत्री से मिले भाजपा नेता पवन पटेल

गाडरवारा। क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भाजपा नेता पवन पटेल ने मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने गाडरवारा के शासकीय सिविल अस्पताल की समस्याओं और उसके उन्नयन (Upgradation) को लेकर एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा।

घोषणा के बाद भी प्रगति का इंतजार: उपमुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान पवन पटेल ने स्मरण कराया कि वर्ष 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गाडरवारा प्रवास के दौरान सिविल अस्पताल को 300 बिस्तरों के अस्पताल में तब्दील करने की सार्वजनिक घोषणा की थी। हालांकि, घोषणा के लंबे समय बाद भी अब तक इस दिशा में कोई ठोस जमीनी प्रगति नहीं हो सकी है। वर्तमान में सीमित संसाधनों और बिस्तरों की कमी के कारण अस्पताल पर दबाव बड़ रहा है।

रेफरल सेंटर बनकर रह गया अस्पताल: मांग पत्र में प्रमुखता से उठाया गया कि गाडरवारा अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट, नेत्र रोग विशेषज्ञ, एमडी मेडिसिन और स्त्री रोग विशेषज्ञों जैसे महत्वपूर्ण पदों की कमी है। विशेषज्ञों के न होने से सामान्य से गंभीर मरीजों को तत्काल जबलपुर, नरसिंहपुर या अन्य बड़े शहरों के लिए रेफर कर दिया जाता है। इस %रेफर% की प्रक्रिया में न केवल मरीजों को आर्थिक और मानसिक परेशानी होती है, बल्कि कई बार इलाज के अभाव में मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं।

भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है गाडरवारा: पवन पटेल ने स्वास्थ्य मंत्री को अवगत कराया कि गाडरवारा और तेंदूखेड़ा तहसील का क्षेत्र काफी विस्तृत और ग्रामीण है। इसके अलावा, यह अस्पताल रायसेन, नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा जिलों की सीमाओं से लगा हुआ है। ऐसे में अन्य जिलों के मरीज भी इलाज के लिए यहाँ आते हैं। क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए 108 एम्बुलेंस की संख्या बाने और अस्पताल में आधुनिक ढ्ढष्ट, जांच मशीनें व पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

होली एवं रमजान को लेकर साईंखेड़ा में शांति समिति की बैठक आयोजित

साईंखेड़ा। आने वाले होली पर्व एवं वर्तमान में चल रहे पवित्र रमजान माह के मद्देनज़र थाना साईंखेड़ा परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी रोहित काकौड़िया ने की, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। थाना प्रभारी काकौड़िया ने सभी से होली का त्योहार आपसी भाईचारे, शांति और हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की उपद्रवी गतिविधि, नशे की स्थिति में हुड़दंग या विवाद की सूचना तत्काल थाना साईंखेड़ा को दी जाए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। बैठक में क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

एक नजर में

डीएलसीसी/डीएलआरसी की बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि बैंकों में लंबित स्वीकृत ऋण आवेदनों का अविलंब वितरण किया जाए। यदि किसी कारणवश वितरण संभव न हो तो आवेदन कारण सहित संबंधित विभाग को वापस किए जाएं, ताकि पुनः आवश्यक कार्यवाही कर लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण बैंकों को प्रेषित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025- 26 में योजनाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समन्वय समिति/ जिला स्तरीय समीक्षा बैठक (डीएलसीसी/ डीएलआरसी) में दिए। बैठक में एलडीओ आरबीआई मयंक सेमवाल, डीडीएम नाबार्ड श्री उज्वलकांत, अग्रणी जिला प्रबंधक अरुण कुमार सिंह, जिला समन्वयक बैंकर्स, शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय फेस की राशि, आजीविका मिशन, पशु पालन विभाग, मत्स्य विभाग, एससी विभाग सेंट आरसेटी से संबंधित स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वीकृत, लंबित एवं वितरण प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर बैंकों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना एवं उद्यानिकी विभाग अंतर्गत पीएमएफएमई/एसटी के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति पर संबंधित विभागों एवं बैंकर्स को बधाई दी तथा अन्य योजनाओं में भी लक्ष्यपूर्ति के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

ग्राम बौछार स्थित शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर ग्राम पंचायत को सौंपी

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देशन में राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा गोटेगांव तहसील के ग्राम बौछार स्थित शमशान घाट की 126/1 शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान संबंधित भूमि को तारबाड़ी कर सुरक्षित किया गया तथा विधिवत कब्जा ग्राम पंचायत को सौंपा गया। इस दौरान तहसीलदार श्री नीरज तखरया, राजस्व एवं पुलिस विभाग का अमला मौजूद था।

निर्धारित गेहूं पंजीयन केन्द्रों में नोडल के रूप में लगाई गई कर्मचारियों की ड्यूटी

नरसिंहपुर। राज्य शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026- 27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं के उपार्जन के लिए केन्द्रवार किसान पंजीयन के पर्यवेक्षण के लिए नोडल टीम का गठन करने का प्रावधान किया गया है। उक्त नोडल टीम में कृषि, सहकारिता, खाद्य, राजस्व विभाग के अधिकारी- कर्मचारियों को शामिल करते हुए प्रत्येक पंजीयन केन्द्र में एक- एक अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाना है। इन्हीं निर्देशों के परिपालन में जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने जिले में निर्धारित गेहूं पंजीयन केन्द्रों में नोडल अधिकारी- कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि उक्त अधिकारी- कर्मचारी आवंटित पंजीयन केन्द्रों का सतत निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करेंगे। साथ ही नियमानुसार समय सीमा में पंजीयन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने नौरादेही अभयारण अंतर्गत प्रस्तावित विस्थापन के संबंध में विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम मलकुही एवं ढाना में चौपाल लगाकर दावा-आपत्तियों की सुनवाई की। ग्राम मलकुही में आयोजित चौपाल के दौरान 12 प्रकरणों को मौके पर ही पात्र घोषित किया गया, जांच की कार्यवाही प्रचलित है। इसी प्रकार ग्राम ढाना में आयोजित चौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीणों से विस्थापन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पात्र परिवारों से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का आग्रह करते हुए कहा कि दस्तावेजों के आधार पर प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। चौपाल में वन मंडलाधिकारी, नौरादेही अभयारण्य से संबंधित अधिकारी, एसडीएम नरसिंहपुर मणिन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गाडरवारा में मटन मार्केट को लेकर बढ़ा जनआक्रोश

नवभारत/गाडरवारा। नगर में सुव्यवस्थित मटन मार्केट का अभाव अब गंभीर जनसमस्या का रूप लेता जा रहा है। बढ़ती आबादी और मांस की बढ़ती मांग के बावजूद आज तक नगर में मटन विक्रेताओं के लिए कोई निर्धारित एवं व्यवस्थित बाजार स्थल उपलब्ध नहीं कराया गया है। सड़क किनारे हो रही बिक्री से अव्यवस्था वर्तमान में नगर के कई क्षेत्रों में सड़क किनारे अस्थायी रूप से मटन की दुकानें संचालित हो रही हैं। इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है बल्कि आसपास के रहवासियों को गंदगी और दुर्गंध की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

जनस्वास्थ्य पर खतरा: खुले में मांस कटाई और बिक्री से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। नगर में नियमित पशु चिकित्सकीय जांच और साफ-सफाई की ठोस व्यवस्था दिखाई नहीं देती, जिससे स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं और गहराती जा रही हैं।

राजस्व का नुकसान: यदि नगर पालिका द्वारा एक अधिकृत मटन मार्केट का निर्माण किया जाए और दुकानों का पंजीयन किया जाए, तो इससे राजस्व में वृद्धि भी संभव है। वर्तमान स्थिति में अव्यवस्थित बिक्री से शासन को आर्थिक नुकसान हो रहा है। नागरिकों की मांग नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि— शीघ्र ही उपयुक्त स्थान पर आधुनिक मटन मार्केट बनाया जाए। लाइसेंस प्रणाली लागू कर नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। अपशिष्ट निस्तारण और स्वच्छता की स्थायी व्यवस्था की जाए। नागरिकों का कहना है कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो भविष्य में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

साईखेड़ा अस्पताल स्टाफ संकट से बेहाल

साईखेड़ा। 50 से 60 गांवों की स्वास्थ्य जरूरतों का मुख्य केंद्र स्वामी विवेकानंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साईखेड़ा इन दिनों डॉक्टरों और स्टाफ की भारी कमी से जूझ रहा है। प्रतिदिन करीब 150 से 200 मरीज इलाज की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं, लेकिन मूलभूत व्यवस्थाओं के अभाव में उन्हें पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पा रहा है और मजबूरन गाडरवारा, नरसिंहपुर व जबलपुर का रुख करना पड़ता है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि इतने बड़े सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जहां तीन डॉक्टरों की नियुक्ति होना चाहिए थी वहां एक भी एमबीबीएस डॉक्टर पदस्थ नहीं है। आयुष चिकित्सक का पद भी रिक्त है। नियमानुसार यहां आठ स्टाफ नर्स होना चाहिए, जबकि वर्तमान में केवल तीन ही नर्स कार्यरत हैं। दो लैब टेक्नीशियन के स्थान पर एक, दो ड्रेसर के स्थान पर एक और दो फार्मासिस्ट के स्थान पर एक ही कर्मचारी अपनी सेवाएं दे रहा है। चार

वार्ड बॉय के स्वीकृत पदों में से केवल दो ही उपलब्ध हैं, जिससे अस्पताल की व्यवस्थाएं पूरी तरह प्रभावित हो रही हैं। आपातकालीन सेवाओं की स्थिति भी दयनीय बनी हुई है। दुर्घटना के मामलों में मरीजों को तत्काल रेफर कर दिया जाता है। पोस्टमार्टम के लिए आने वाले मामलों में भी मरीजों को गाडरवारा भेजना पड़ता है या वहां से डॉक्टर के आने का इंतजार करना पड़ता है। वहीं विडंबना यह भी है कि पूर्व विधायक सुनीता पटेल द्वारा जनहित में अस्पताल को एक एंबुलेंस प्रदान की गई थी, जो वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में खड़ी है। लेकिन ड्राइवर की नियुक्ति न होने के कारण एंबुलेंस का उपयोग नहीं हो पा रहा है और वह धीरे-धीरे कबाड़ की स्थिति में पहुंचने लगी है।

इससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को तत्काल परिवहन सुविधा भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। मौसम परिवर्तन के चलते वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, बुखार, डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों के बढ़ते मामलों के बीच अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बावजूद इसके स्टाफ की कमी जनमानस के लिए गंभीर समस्या बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से शीघ्र पर्याप्त डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों व एंबुलेंस चालक की नियुक्ति कर स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की मांग की है, ताकि ग्रामीण अंचल की जनता को समय पर बेहतर उपचार मिल सके।

नि :शुल्क एंटी रैबीज टीकाकरण अभियान

नगरपालिका एवं पशुपालन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा चलाया जा रहा अभियान

नरसिंहपुर। नगरपालिका एवं पशुपालन विभाग नरसिंहपुर की संयुक्त टीम द्वारा नरसिंहपुर शहर को रेबीज मुक्त बनाने और पशुपालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 27 एवं 28 फरवरी दो दिवसीय निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के प्रथम दिवस शहर के विभिन्न हिस्सों में कुल 243 श्वानों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जिला शहरी विकास अभिकरण प्रभारी श्री नीलम चौहान, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. सुनील बृजपुरिया और टीकाकरण नोडल अधिकारी डॉ. संजय मांझी ने दोनों विभागों की संयुक्त टीमों को नरसिंहपुर शहर के लिए रवाना किया। एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए शहर में चार विशेष दल गठित किए गए हैं। इन टीमों को सुरक्षित

टीकाकरण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि आवारा एवं पालतू श्वानों का टीकाकरण सुगमता के साथ किया जा सके। इस दौरान उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. बृजपुरिया ने वार्ड निवासियों को रेबीज के प्रति जागरूक किया। शुक्रवार को अभियान के पहले दिन शहर के रेलवे स्टेशन, धनारे कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड, बेलापुरकर वार्ड, यादव कॉलोनी, रेवा नगर, इतवारा बाजार, पुराना बस स्टेंड, बजरंग वार्ड, गुरूद्वारा रोड, सुनका चौराहा, सुभाष वार्ड, मुशरान वार्ड, सांकल रोड और पुलिस लाइन में अभियान चलाकर श्वानों का टीकाकरण किया गया। अभियान के दूसरे दिन 28 फरवरी को यशोदा मैरिज गार्डन, झिरना रोड, गिरिराज स्कूल, गांधी चौराहा, किसानी वार्ड, तलापार, नरसिंह मंदिर व गणेश मंदिर, गुलाब चौराहा, पराडकर अस्पताल, एसएनपीएस स्कूल, संजय वार्ड, सिंहपुर चौराहा व बरगी कॉलोनी क्षेत्र में श्वानों को एंटी रेबीज का टीकाकरण किया जाएगा।

गाडरवारा में राजश्री गुटखा की कालाबाजारी चरम पर

गाडरवारा। में राजश्री पान मसाला के पाउचों की खुलेआम कालाबाजारी ने उपभोक्ताओं का गुस्सा भड़का दिया है। अधिकतम खुदरा मूल्य (स्न्रक्क) को दरकिनार कर डेढ़ गुने दामों पर बिक्री की जा रही है, और जिम्मेदार विभाग अब तक मूकदर्शक बना हुआ है। दामों में खुली लूट बाजार में स्थिति यह है, 33 एमआरपी वाला पाउच, 45ङ्क, 50, 17 एमआरपी वाला पाउच, 25, 8 वाला छोटा पाउच, 15, साफ है कि यह सिर्फ

ओवररेटिंग नहीं, बल्कि संगठित मुनाफाखोरी है। कृत्रिम किल्लत का खेल सूत्र बताते हैं कि थोक स्तर पर माल की कमी का हवाला देकर कृत्रिम संकट खड़ा किया जा रहा है। थोक व्यापारी ऊंचे रेट पर माल दे रहे हैं। फुटकर विक्रेता मजबूरी में बढ़े दाम वसूल रहे हैं। व्यसनी उपभोक्ता ऊंची कीमत चुकाने को विवश हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में भी इसी तरह का खेल सामने आया था। इस वर्ष फिर वही सिंडिकेट सक्रिय बताया जा रहा है। कानून क्या कहता है, MRP से अधिक कीमत वसूलना कानूनी माप विज्ञान अधिनियम और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। दोषी पाए जाने पर भारी जुर्माना, लाइसेंस निलंबन और आपराधिक कार्रवाई तक संभव है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 153 अ-20(1) सन्-2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा धिकार को भूमिस्वामी संपरिवर्तन की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 19/03/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्पक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/ पिता/माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
15	कंदेली	4/72	1200 वर्गफुट	रामसनेही आ. शंभूदयाल शुक्ला सा. कंदेली	रामसनेही आ. शंभूदयाल शुक्ला सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 18/2/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर